**Dr. KUMARI PRIYANKA**

**Department of history**

**H.D jain college, Ara**

**Notes for Mjc 2**

**Topic :- प्राचीन मिश्र के लोगों के सामाजिक जीवन पर प्रकाश डालें**

प्राचीन मिस्र (Ancient Egypt) की सभ्यता विश्व की प्राचीनतम और संगठित सभ्यताओं में से एक थी। इसका सामाजिक जीवन अत्यंत संगठित, वर्गीकृत और धार्मिक आस्थाओं से प्रभावित था।

## प्राचीन मिस्र का सामाजिक जीवन

### *1. सामाजिक वर्गीकरण:*

मिस्री समाज में कठोर वर्ग व्यवस्था थी, जिसमें लोग जन्म के आधार पर वर्गों में बँटे होते थे–

- **फराओ (Pharaoh):** राजा को देवता का रूप माना जाता था। वह ईश्वर का प्रतिनिधि और कानून का सर्वोच्च स्रोत था।
- **पुरोहित (Priests):** मंदिरों और धार्मिक अनुष्ठानों का संचालन करते थे, और समाज में उच्च स्थान रखते थे।
- **सरकारी अधिकारी एवं प्रशासक:** मंत्रियों, न्यायाधीशों, कर संग्राहकों और सेना के अधिकारियों का उच्च वर्ग था।
- **योद्धा (Warriors):** वे मिस्री सेना का हिस्सा होते थे और आक्रमणों से देश की रक्षा करते थे।
- **शिल्पकार, व्यापारी एवं कारीगर:** ये वर्ग वस्त्र निर्माण, धातु कार्य, मूर्तिकला, व्यापार और अन्य उत्पादन कार्यों में संलग्न रहते थे।
- **किसान एवं श्रमिक:** समाज का सबसे बड़ा वर्ग, जो कृषि एवं निर्माण कार्यों में लगा रहता था। वे पिरामिड, मंदिर और नहरें बनाने में श्रम करते थे।
- **दास (Slaves):** युद्ध में पकड़े गए बंदियों को दास बनाया जाता था, और वे खेतों व घरों में कार्य करते थे।

*2. परिवार और स्त्रियों की स्थिति:*

- मिस्री समाज में **परिवार महत्वपूर्ण इकाई** थी। विवाह पवित्र माना जाता था और पितृसत्तात्मक समाज था।
- **महिलाओं को सम्मान प्राप्त था**, वे संपत्ति रख सकती थीं, व्यापार कर सकती थीं और कानूनी अधिकार रखती थीं। कुछ महिलाएँ पुरोहित, व्यापारी या यहाँ तक कि फिराओ भी बनीं (जैसे हत्शेपसुत)।
- विवाह और तलाक की स्वतंत्रता थी, और बहुविवाह केवल उच्च वर्ग तक सीमित था।

*3. धर्म और सामाजिक जीवन:*

- मिस्री समाज में धर्म का बहुत प्रभाव था। वे **बहुदेववादी (Polytheistic)** थे और अनेक देवताओं की पूजा करते थे, जैसे–
    - **रा (सूर्य देवता)**
    - **ओसिरिस (पुनर्जन्म और मृत्यु का देवता)**
    - **आइसिस (मातृत्व और जादू की देवी)**
- पुनर्जन्म और परलोक जीवन पर गहरी आस्था थी। मृत्यु के बाद ममीकरण (Mummification) की परंपरा थी ताकि आत्मा (Ka) सुरक्षित रहे।

*4. शिक्षा और लेखन:*

- शिक्षित वर्ग **हायरोग्लिफिक (Hieroglyphic)** लिपि में लेखन करता था।
- मंदिरों और विद्यालयों में पुरोहितों एवं उच्च वर्ग के बच्चों को पढ़ाया जाता था।
- गणित, ज्यामिति और चिकित्सा में मिस्रियों की विशेष प्रगति थी।

*5. मनोरंजन और त्यौहार:*

- मिस्री लोग नृत्य, संगीत, शिकारी खेल, नौकायन और उत्सवों में भाग लेते थे।
- धार्मिक त्यौहारों, जैसे ओसिरिस पूजा और नील नदी से जुड़े उत्सवों में समाज की बड़ी भागीदारी होती थी।

## निष्कर्ष:

प्राचीन मिस्र का समाज धार्मिक, संगठित और श्रेणीबद्ध था। शासन, धर्म और सामाजिक अनुशासन ने इसे सहस्राब्दियों तक एक सशक्त सभ्यता बनाए रखा।